यू. पी. सिंह, भा.प्र.से.
सचिव
U. P. Singh, IAS
Secretary

सत्यमेव जयते

Azadi Ka Amrit Mahotsav

भारत सरकार
वस्त्र मंत्रालय
उद्योग भवन, नई दिल्ली - 110 011
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF TEXTILES
UDYOG BHAWAN, NEW DELHI - 110 011

14 सितंबर, 2022

संदेश

भाषा किसी भी देश की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक विकास तथा भाव-संप्रेषण का प्रमुख आधार होती है। भाषा के बिना हम किसी देश के विकास एवं सुख-समृद्धि की कल्पना नहीं कर सकते। भाषा के आधार पर ही किसी देश के इतिहास को समझा, परखा और उसका अनुसरण किया जा सकता है। हमारे देश के बहुत से लेखकों, साहित्यकारों, कवियों ने अपनी भाव-अभिव्यक्ति का माध्यम हिंदी को बनाया था और आज भी वे हिंदी में अपने लेखन के कारण सम्पूर्ण विश्व में प्रसिद्ध हैं। यह एक वैज्ञानिक भाषा है। इसे आसानी से बोला, लिखा और समझा जा सकता है। हिंदी की इसी महत्ता को ध्यान में रखते हुए देश के स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान इसे सम्पूर्ण देशवासियों को एकता के सूत्र में जोड़ने का माध्यम बनाया गया था और आजादी के बाद सर्वसम्मति से इसे संघ की राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया था और इसे संविधान की आठवीं अनुसूची में स्थान प्रदान किया गया था।

आज जब हम **'मेक इन इंडिया'** और **'आत्मनिर्भर भारत'** की बात करते हैं तो हम इस उद्देश्य को तभी पूरा कर सकते हैं जब हम अपना अधिकांश कार्य अपने देश की लोक प्रिय भाषा हिंदी में करें। चूंकि वस्त्र क्षेत्र काफी सीमा तक आम जन से जुड़ा है। यह क्षेत्र कोविड-19 महामारी के प्रकोप से काफी प्रभावित हुआ है। कोविड-19 के प्रभाव से वस्त्र क्षेत्र को तेजी से उबारने के लिए सरकार द्वारा बहुत सी योजनाएं चलायी जा रही हैं। इन सभी योजनाओं तथा सुविधाओं का लाभ हम राजभाषा हिंदी के माध्यम से ही देश के अधिकांश लोगों तक पहुंचा सकते हैं। अत: मंत्रालय तथा इसके अधीनस्थ कार्यालयों के विशेष रूप से, वरिष्ठ अधिकारियों को अधिक से अधिक राजभाषा हिंदी में काम करना चाहिए। इससे सरकार की योजनाओं का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन भी होगा और उनके अधिकारी/कर्मचारी भी राजभाषा हिंदी में काम करने के लिए प्रेरित होंगे।

14 सितंबर को **हिंदी दिवस** के अवसर पर राजभाषा विभाग द्वारा इस वर्ष **14-15 सितंबर को सूरत में हिंदी दिवस एवं द्वितीय राजभाषा सम्मेलन** का भी आयोजन किया जा रहा है। मंत्रालय तथा इसके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सभी कार्यालयों के अधिकारी/कर्मचारी इस सम्मेलन में प्रतिभागिता सुनिश्चित करेंगे। इसके पश्चात अपने कार्यालयों में हिंदी सप्ताह/हिंदी पखवाड़ा/हिंदी माह आदि का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान कार्यालयों में राजभाषा से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताओं/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं आदि का भी आयोजन किया जाएगा। आप सभी से मेरी अपील है कि आप इन प्रतियोगिताओं तथा कार्यक्रमों में उत्साह-पूर्वक भाग लें और यह संकल्प लें कि आप अपना अधिकांश सरकारी कामकाज राजभाषा हिंदी में करेंगे।

इस अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(यू.पी.सिंह)

Tel. : +91-11-23061769, +91-11-23063644 Fax : +91-11-23063681 E-mail : secy-textiles@nic.in